राष्ट्रीय होम्योपैथिक सम्मेलन 'होम्योकॉन 2023' का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

14 मई, 2023 को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के देहरादून स्थित दून विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय होम्योपैथिक सम्मेलन 'होम्योकॉन 2023' का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने होम्योपैथिक पर बनी डॉक्यूमेंट्री को लॉच किया तथा होम्योपैथी के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले चिकित्सकों को सम्मानित भी किया।
- गौरतलब है कि भारत में पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को बढ़ावा देने के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में पृथक् से आयुष मंत्रालय का गठन किया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा होम्योपैथी को विश्व की दूसरी सबसे बड़ी प्रचलित चिकित्सा पद्धति माना गया है।
- मुख्यमंत्री ने होम्योपैथी के जन्मदाता सैमुअल क्रिश्चियन हैनिमैन का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने होम्योपैथी के रूप में एक ऐसी उपचार पद्धति विकसित की, जो अत्यंत कारगर होने के साथ-साथ किफायती भी है।
- उत्तराखंड राज्य सरकार देवभूमि को एक महत्त्वपूर्ण आयुष प्रदेश के रूप में स्थापित करने हेतु कृत-संकल्पित है। उत्तराखंड जैसे विषम भौगोलिक परिस्थिति वाले राज्य में आयुष और विशेष रूप से किफायती और कारगर होने के कारण होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति की महत्ता और बढ़ जाती है।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/inauguration-of-national-homoeopathic-conference-homoecon-2023